वनात् (रामम्); II. 58.18.: यथान्यायं वृत्तिं वर्तस्व मातृषु; 73.8.: त्वयि वृत्तिम् अनुत्तमां वर्तते; Mah. 2.152. *Etiam* par. Mah. 3.14666.: वर्तामह् अहन् तु यां वृत्तिम् पाण्डवेषु, 1.4832.: अधिकां स्म ततो वृत्तिम् अवर्तन् पाण्डवान् प्रति· *pass.* R. Schl. II. 58. 17.: कुमारे भरते वृत्तिर् वर्तितव्याच राजवत्· 6) वृत्त rotundus (a convertendo, circumagendo, v. praeff. नि, परि)· — *Caus.* 1) facere ut quid eat, se moveat, commovere. Rigv. 39.3.: वर्तयथा (= °थ) गुरु· — अश्रूणि वर्तयितुम् lacrymas effundere. R. Schl. II. 58.21. Mah. 1.4468. 2) facere ut quid sit, existat; facere. Hit. 102.14.: न ... वर्तितव्यम् असाम्प्रतम्· Mah. 2.2507.: द्यूतम् अवर्तयत्; Ragh. 19.4.: सो ऽधिकारम् ... कांश्चन स्वयम् अवर्तयत् समाः· 3) degere *tempus*. Mah. 1.7976.: पुष्करे तु ततः शेषङ् कालं वर्तितवान्; R. Schl. II. 53.4.: रात्रिङ् कथञ्चिद् एवे 'मां सौमित्रे वर्तयावहै· 4) vivere. R. Schl. II. 51.12.: अस्मिन् प्रव्रजिते राजा न चिरं वर्तयिष्यति; N. 9.10.: जलमात्रेण वर्तयन्; Man. 6.21. 5) dicere, narrare (v. 2. वृत्). R. Schl. I. 5.4.: तद् इदं वर्तयिष्यावः सर्वन् निखिलम् आदितः; Mah. 1.4539. 3.328. (Lat. *verto*, lith. *wartaù*, *werčiù* verto, inverto (vid. *umwenden, umkehren* apud Ruhig), *wartóju* utor aliquâ re = Caus. वर्तयामि; *wirs-tu* (e *wirt-tu*, v. gr. comp. 457.) evertor, collabor cum curru; boruss. vet. *wartinna* vertit, slav. *vrjt-je-ti* vertere; goth. *VARTH* fieri (*vairtha, varth*); nostrum *werde, ward*; goth. *vaurs-tv*, Them. *vaurs-tva* opus, v. gr. comp. 102.; pers. گردم *gerdem* vertor, fio, mutâto *v* in *g*, گرد *gird* rotundus, subst. circulus, cf. वृत्त·)

c. अति 1) transire, transgredi. R. Schl. II. 50.10.: रथेन ... कोशलान् अत्यवर्तत· *trop.* R. Schl. II. 21.42.: न शक्यामि पुनर् नियोगम् अतिवर्तितुम्; Mah. 2. 2258.: भ्रातरन् धार्मिकञ् ज्येष्ठङ् को ऽतिवर्तितुम् अर्हति; Man. 5.161.: अपत्यलोभाद् या तु स्त्री भर्तारम् अतिवर्तते; Sa. 2.22. 2) superare. Mah. 3.10169.: वेदस्या 'ध्ययनेन ... बहून् ऋषीन् अत्यवर्तत· 3) praeterire, *de tempore*. R. Schl. I. 32.2.: ना 'तिवर्तेत तत् क्षणम्; II. 51.20. Man. 2.38. (Vid. क्रम् et गा praef. अति·)

c. अति praef. वि praeterire, *de tempore*. Sa. 4.9.: सा रात्रिर् व्यत्यवर्तत·

c. अनु *p. a.* 1) sequi. Dr. 6.25.: प्रययुर् हि शीघ्रन् तान्य् एव वर्त्मान्य् अनुवर्तमानाः; Mah. 3.13109.: तच्छीलम् अनुवर्त्स्यन्ति मनुष्याः; 14683.: तान् (धर्मान्) सर्वान् अनुवर्तामि; 15940.; Bh. 3.21. 2) ire, adire. Sa. 5.46.: सद्भो भयन् ना 'नुवर्तन्ति सन्तः· — *Caus.* 1) provolvere. Bh. 3.16.: एवम् प्रवर्तितञ् चक्रन् ना 'नुवर्तयती 'ह यः· 2) facere. Mah. 4.105.: यद् यद् भर्ता 'नुयुञ्जीत तत् तद् एवा 'नुवर्तयेत्·

c. अनु praef. सम् sequi. R. Schl. II. 14.8. Mah. 3.11231. 11233.

c. अप se avertere, discedere. Ragh. 6.58.: तस्माद् अपावर्तत· Declinare, deflectere, degredi *de viâ*. Man. 8. 293.: यत्रा 'पवर्तते युग्यम्· 2) reverti. Mah. 1.1784.: अपावर्तत काश्यपः·

c. अभि se advertere. Su. 3.29.: मुखानिचा 'भ्यवर्तन्त· 2) adire, aggredi, appropinquare. A. 9.7.: निवातकवचाः ... अदृश्या स्त्व् अभ्यवर्तन्त; R. Schl. II. 48.26.: रजनीचा 'भ्यवर्तत·

c. अभि praef. सम् 1) *id.* Mah. 1.7261. 2) praeterire, *de tempore*. Mah. I. 8.10.: कालः समभिवर्त्स्यति·

c. आ adire, aggredi, advenire. A. 10.25.: मार्गम् आवृत्य देवानाम्; Ragh. 1.82.: धेनुर् आववृते वनात् (schol. आगता)· *Caus.* 1) facere ut adeat, adveniat; attrahere, allicere. Mah. 5.117.: मनांसि तस्य योधानान् ध्रुवम् आवर्तयिष्यति· — अश्रूण्य् आवर्तयितुम् lacrymas effundere. Mah. 3.336.: अश्रूण्य् आवर्तयन्तीच नेत्राभ्याम्· 2) *atm.* se vertere. Dr. 6.18.: आवर्तयध्वम् अनुयात शीघ्रम्·

c. आ praef. अप avertere. अपावृत्त aversus. Mah. 3. 4052. R. Schl. II. 12.59.

c. आ praef. उप 1) se advertere, adire, aggredi. Mah. 3. 4082.: प्रदक्षिणम् उपावृत्य जम्बूमार्गं समाविशेत्·